कोटा विश्वविद्यालय, कोटा

महाराव भीमसिंह मार्ग, कबीर सर्किल के पास, कोटा

प्रबन्ध मण्डल की 30वीं बैठक दिनांक–25.01.2017

कार्यवृत

प्रबन्ध मण्डल की 30वीं बैठक दिनांक 25.01.2017 को अपराह्न 12:15 बजे विश्वविद्यालय के सरस्वती भवन में स्थित सभा–कक्ष में माननीय कुलपति महोदय की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिसमें निम्नांकित उपस्थित हुए :–

प्रो0 पी.के. दशोरा — अध्यक्ष
माननीय कुलपति,
कोटा विश्वविद्यालय, कोटा

2. **श्री रघुवीर मीणा** — नामित सदस्य
नामित सदस्य, प्रमुख शासन सचिव,
वित्त विभाग,
राजस्थान सरकार, जयपुर

3. **डॉ0 एस.एन. गर्ग** — नामित सदस्य
नामित सदस्य, प्रमुख शासन सचिव
उच्च शिक्षा विभाग,
राजस्थान सरकार, जयपुर

4. **डॉ0 जगतनारायण** — सदस्य
कुलाधिपति द्वारा नाम निर्देशित

5. **श्री हीरालाल नागर** — सदस्य
माननीय विधायक, सांगोद
राज्य सरकार द्वारा नाम निर्देशित विधायक

6. **प्रो0 विजय श्रीमाली** — सदस्य
राज्य सरकार द्वारा नामित सदस्य

7. **डॉ0 विजय कुमार वशिष्ठ** — सदस्य
राज्य सरकार द्वारा नामित सदस्य

8. **प्रो0 एन.के. जैमन** — सदस्य
कुलपति द्वारा नाम निर्देशित अधिष्ठाता

9. **प्रो0 राजीव जैन** — सदस्य
कुलपति द्वारा नाम निर्देशित अधिष्ठाता

10. **प्रो0 आशु रानी** — सदस्य
कुलपति द्वारा नाम निर्देशित आचार्य

11. **प्रो0 रीना दाधीच** — सदस्य सचिव
कुलपति द्वारा नाम निर्देशित आचार्य

12. **डॉ0 संदीप सिंह चौहान** — सदस्य सचिव
कुलसचिव

13. **श्री एस. एन. शर्मा** — विशेष आमंत्रित सदस्य
वित्त नियंत्रक,
कोटा विश्वविद्यालय, कोटा

14. **श्री एम.एल. गुप्ता** — विशेष आमंत्रित सदस्य
प्रशासनिक सचिव,
कोटा विश्वविद्यालय, कोटा

आयुक्त, महाविद्यालय शिक्षा, राजस्थान, जयपुर; श्री जॉन वर्गीस, कुलाधिपति द्वारा नाम निर्देशित सदस्य एवं श्रीमती चन्द्रकान्ता मेघवाल, माननीय विधायक, रामगंजमण्डी, राज्य सरकार द्वारा नाम निर्देशित विधायक बैठक में उपस्थित नही हो सके।

माँ सरस्वती की तस्वीर के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन के साथ बैठक की शुरूआत हुई। बैठक प्रारम्भ में माननीय कुलपति महोदय द्वारा उपस्थित सदस्यों का अभिनन्दन किया गया तथा विश्वविद्यालय में विगत दिनों हुई विभिन्न उपलब्धियों/गतिविधियों के सम्बंध में सदन को अवगत करवाया गया जिनका विवरण निम्नानुसार है :–

- मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा करवायी गई देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों की श्रेणियन में इस विश्वविद्यालय को मंत्रालय द्वारा स्थापित मापदण्डों की पूर्ति किये जाने के फलस्वरूप NIRF द्वारा 78वीं रेंक प्राप्त हुई थी जो कि विश्वविद्यालय के लिए एक गौरव का विषय है। इस बार भी विश्वविद्यालय द्वारा श्रेणियन हेतु मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार को आवेदन किया गया है। प्रबन्ध मण्डल के माननीय सदस्यों द्वारा इसके बाबत् बधाई दी गई तथा माननीय सदस्य श्री हीरालाल नागर द्वारा सुझाव दिया गया कि विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध करवायी जाने वाली जानकारियों/गतिविधियों की पुष्टि करते हुये आंकडे/सूचनाऐं प्रविष्ट किया जाना सुनिश्चित किया जावें ताकि किसी प्रकार की अन्यथा स्थिति उत्पन्न न हो।

- विश्वविद्यालय में 100 किलो वॉट की बिजली उत्पादन की क्षमता वाला Solar Power Plant स्थापित कर वर्ष 2016 में इसका उद्घाटन करवाया गया।

- भौतिकी विभाग तथा Royal Society of Engineering, UK and FICCI, India के संयुक्त तत्वाधान मे विश्वविद्यालय में "Fundamentals of Solar Thermal Technologies" पर दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय वर्कशॉप आयोजित की गई।

- **"एक भारत श्रेष्ठ भारत"** के अन्तर्गत देश को एकता के रूप में बाँधने का प्रयास करते हुए विश्वविद्यालय द्वारा 4 कि.मी. की दौड़ "Run for Nation" तथा "भारत मेरा घर" पर एक विचार संगोष्ठी आयोजित की गयी।

- इस सत्र में विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग की मोनिका मालव ने अखिल भारतीय अन्तर–विश्वविद्यालय जूडो (महिला खेल–कूद) में 48 कि0ग्रा0 भार श्रेणी में रजत पदक प्राप्त किया।

- इस सत्र में विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा 33 खेलों को आयोजित करवाए गए। अन्तर–महाविद्यालय कबड्डी, हैण्डबॉल एवं वॉलीबॉल में विश्वविद्यालय की टीम विजयी रही। अन्तर–महाविद्यालय एथलेटिक्स में विश्वविद्यालय को 5 पदकों की उपलब्धि हुई।

- विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर विज्ञान विभाग के तत्वावधान में साईबर अपराध पर जागरूकता पर कार्यशाला आयोजित की गयी।

- विश्वविद्यालय में संचालित M.P.Ed. पाठ्यक्रम को NCTE की मान्यता प्राप्त हुई।

- विश्वविद्यालय में स्वामी विवेकानन्द शोधपीठ की स्थापना की गई।

- विश्वविद्यालय के पुस्तकालय को और अधिक सुदृढ़ बनाने हेतु लगभग 12 लाख रूपये की पुस्तकों का क्रय किया गया। विश्वविद्यालय में दो दिवसीय पुस्तक मेले का भी आयोजन किया गया।

- विश्वविद्यालय में पानी की समस्या के निवारण हेतु 1 इंच मोटी पानी की पाईप लाईन डलवाई गई। साथ ही सदन को यह भी अवगत कराया गया कि पानी को संग्रहित करने के लिये विश्वविद्यालय में एक हौज का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है।

- विश्वविद्यालय में विभिन्न भवनों के निर्माण हेतु लगभग 40 करोड़ रूपये के M.O.U. किये गये।

- राज्य सरकार के आदेश के क्रम में विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया तथा परीक्षा आवेदन प्रक्रिया को ऑनलाईन किया जा चुका है।

- विश्वविद्यालय द्वारा वार्षिक व सेमेस्टर स्किम की सभी परीक्षाऐं समय पर करवायी गई तथा उनके परीक्षा परिणाम भी समय पर घोषित किये गये।

- विश्वविद्यालय द्वारा NAAC ग्रेडिंग के लिए SSR रिपोर्ट ऑनलाईन कर, LOI ऑनलाईन भरते हुए NAAC बैंगलोर को प्रेषित की गई जो दिनांक 27.12.2016 को NAAC द्वारा स्वीकृत की गई। विश्वविद्यालय द्वारा सदन को यह भी अवगत कराया गया कि LOI स्वीकृत होने के फलस्वरूप राज्य परियोजना निदेशालय, राजस्थान सरकार को RUSA योजना के तहत आधारभूत संरचना के विकास के लिये भेजे गये प्रस्ताव को संशोधित करते हुए पुनः प्रेषित किया जायेगा।

- विश्वविद्यालय में स्थापित स्वामी विवेकानंद शोधपीठ हेतु गत वर्ष 25.00 लाख रूपये का बजट विश्वविद्यालय द्वारा आवंटित किया गया था। इस वर्ष भी विश्वविद्यालय द्वारा 25.00 लाख रूपये का बजट उक्त पीठ हेतु आवंटित करना प्रस्तावित है। माननीय विधायकों द्वारा उक्त पीठ में 10.00 लाख रूपये का अनुदान देने की घोषणा की गई थी जो कि अपेक्षित है। विश्वविद्यालय द्वारा पुनः अनुरोध किया जा रहा है कि इस पुनीत कार्य हेतु अनुदान राशि आवंटित कर इस पीठ को सुदृढ बनाने में सहयोग प्रदान करे।

उपरोक्त उल्लेखित समस्त उपलब्धियाँ माननीय प्रबन्ध मण्डल के मार्गदर्शन, सम्बल एवं विश्वास के फलस्वरूप प्राप्त हो सकी हैं इसके लिए माननीय कुलपति महोदय द्वारा सदन का आभार व्यक्त किया गया। माननीय कुलपति महोदय के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय ने उक्त उल्लेखित उपलब्धियाँ अर्जित की गई है, सदन द्वारा माननीय कुलपति महोदय को भी बधाई दी गई तथा उनके प्रयासों की सराहना की गयी। इसके पश्चात् प्रबन्ध मण्डल की बैठक में विचारणीय बिन्दुओं पर विस्तृत बिन्दुवार चर्चा विधिवत रूप से प्रारम्भ हुई ।

<table>
<tr><td>मद संख्या–1</td><td>:</td><td>प्रबन्ध मण्डल की बैठक दिनांक 13.06.2016 के कार्यवाही विवरण का अनुमोदन करना।</td></tr>
<tr><td>निर्णय</td><td>:</td><td>प्रबन्ध मण्डल की 29वीं बैठक दिनांक 13.06.2016 के कार्यवाही विवरण का अनुमोदन किये जाने के सम्बंध में उक्त बाबत् डॉ. वी.के. वशिष्ठ, माननीय सदस्य तथा प्रो. एन.के. जैमन माननीय सदस्य, प्रबन्ध मण्डल तथा श्रीमती पूनम मेहता, पूर्व वित्त नियंत्रक से प्राप्त टिप्पणियों पर चर्चा कर निम्न संशोधनों के साथ प्रबन्ध मण्डल द्वारा गत बैठक दिनांक 13.06.2016 के कार्यवाही विवरण का अनुमोदन किया गयाः –
1. गत बैठक के कार्यवाही विवरण के पृष्ठ संख्या 3 की दूसरी पंक्ति के प्रथम शब्द "अन्तर्राष्ट्रीय" के स्थान पर "राष्ट्रीय" शब्द का संशोधन किया गया। पैरा 3 के प्रथम वाक्य में "राज्य सरकार द्वारा" के स्थान पर "राज्य सरकार की बजट घोषणा के तहत्" का संशोधन किया गया।
2. मद संख्या 5 के निर्णय में लिखित "वित्त नियंत्रक द्वारा प्रथम बार सदन में बजट पेश किया गया" वाक्य को विलोपित किये जाने पर सहमति व्यक्त की गयी। उक्त निर्णय में "बजट प्रावधानों पर विचार करने के लिये प्रबन्ध मण्डल की अलग से बैठक बुलायी जाये तथा बजट के उपयोग पर मॉनिटरिंग किया जाये जिससे कि आवंटित बजट का समय पर उपयोग किया जाये" वाक्य का उल्लेख किये जाने का निर्णय लिया गया।
3. मद संख्या 8 के निर्णय के आखिरी वाक्य में "निरस्त किये जाने" के स्थान पर "निरस्त करवाने" का संशोधन किये जाने का निर्णय लिया गया।
4. मद संख्या 14.9 के पृष्ठ सं0 11 की प्रथम पंक्ति "वर्तमान में विश्वविद्यालय का प्रतीक चिन्ह (Logo) राजभाषा अधिनियम के अनुसार नहीं है। अतः" के स्थान पर "विश्वविद्यालय के प्रतीक चिन्ह को राजभाषा अधिनियम के अनुसार बनाने हेतु" का उल्लेख करते हुये संशोधित करने का निर्णय लिया गया।</td></tr>
</table>

संदीप चौधरी

मद संख्या–2	:	**प्रबन्ध मण्डल की बैठक दिनांक 13.06.2016 में लिये गये निर्णयों के सम्बंध में की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन अनुमोदित करना।**
निर्णय	:	प्रबन्ध मण्डल की बैठक दिनांक 13.06.2016 की क्रियान्विति रिपोर्ट का निम्नांकित सुझावों/कार्यवाही के अध्यधीन अनुमोदन किया गया:– मद संख्या 4 के निर्णय में उल्लेखित लोक मान्य तिलक महाविद्यालय (लो.टी. महाविद्यालय) के प्रकरण में विश्वविद्यालय के वित्त एवं लेखा शाखा के डबल लॉक में रखी हुई राशि रूपये 50,000/– पर विमुद्रीकरण के कारण विस्तार से चर्चा की गई। उक्त प्रकरण में सर्व–सम्मति से विधिक राय के अनुसार कार्यवाही करने का निर्णय लिया गया। आवश्यक होने पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को रिपोर्ट करने की भी अनुशंषा की गई। मद संख्या 10 डॉ0 प्रवीण गोयल, उपकुलसचिव के निलम्बन आदेशों की विवेचना में लिये गये निर्णय की कार्यवाही के सम्बंध में विस्तृत चर्चा की गई। गठित समिति की बैठक न होने के कारणों पर चर्चा कर सदन द्वारा यह निर्णय लिया गया कि गठित समिति की बैठक 8 से 10 फरवरी 2017 के मध्य आयोजित की जाये। सदस्यों की शत् प्रतिशत उपस्थिति की आवश्यकता को न मानते हुये बैठक आयोजित की जाये। माननीय सदस्यों को बैठक सूचना के साथ ही उक्त प्रकरण की तथ्यात्मक रिपोर्ट तैयार कर भिजवायी जाये। मद संख्या 12 के निर्णय की कार्यवाही के सम्बंध में सदन को विश्वविद्यालय के तैयार कुलगीत से अवगत कराया गया तथा सदन द्वारा संगीत के साथ लयबद्ध करने की प्रक्रिया को शीघ्र ही पूर्ण करने हेतु माननीय कुलपति महोदय को अधिकृत किया गया। मद संख्या 14.8 के अन्तर्गत विश्वविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय ध्वज स्थापित किये जाने के सम्बंध में विस्तृत चर्चा हुई उक्त चर्चा के दौरान श्री हीरालाल नागर, माननीय विधायक महोदय ने सदन को अवगत कराया कि राष्ट्रीय ध्वज को स्थापित किये जाने की स्थिति में लगाये जाने वाले पोल व ध्वज का रख–रखाव निर्धारित मापदण्डों के अनुरूप होने की शर्त को सुनिश्चित करके ही विश्वविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय ध्वज स्थापित किया जाये। मद संख्या 14.9 के अन्तर्गत अन्य मद के निर्णय के कार्यवाही विवरण का अनुमोदन करते समय सदन को विश्वविद्यालय में विभिन्न संवर्ग के 74 पदों पर हुई नियुक्तियों सम्बंधी जानकारी प्रदान किये जाने पर संपूर्ण सदन द्वारा उक्त कार्य के लिए माननीय कुलपति महोदय की प्रशंसा की गई तथा इस कार्य के लिए माननीय कुलपति महोदय का आभार व्यक्त किया गया।
मद संख्या–3	:	**विद्या–परिषद् की बैठक दिनांक 06.01.2017 के कार्यवाही विवरण का अनुमोदन करना।**
निर्णय	:	दिनांक 06.01.2017 को सम्पन्न हुई विद्या परिषद् की बैठक के कार्यवाही विवरण के सभी बिन्दुओं का माननीय सदस्यों द्वारा अवलोकन कर अनुमोदित किया गया।

मद संख्या–4	:	विश्वविद्यालय के चतुर्थ दीक्षान्त समारोह की तैयारियों के सम्बंध में प्रबन्ध मण्डल को अवगत करवाना।
निर्णय	:	विश्वविद्यालय के प्रस्तावित चतुर्थ दीक्षान्त समारोह की तैयारियों से माननीय सदन को अवगत कराया गया। राजभवन के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय द्वारा प्रतिवर्ष दीक्षान्त समारोह मनाये जाने की एक निश्चित तारीख दिनांक 23 जनवरी प्रबन्ध–मण्डल की गत बैठक में निश्चित कर दी गई थी। तद्नुसार दिनांक 23 जनवरी 2017 को विश्वविद्यालय का चतुर्थ दीक्षान्त समारोह माननीय कुलाधिपति महोदय की अध्यक्षता में मनाये जाने की स्वीकृति प्राप्त करने के लिए पत्र राजभवन प्रेषित किया जा चुका है परन्तु उक्त स्वीकृति अभी प्राप्त नहीं हो सकी है। विश्वविद्यालय द्वारा उक्त प्रस्तावित समारोह की तैयारियों के सम्बंध में समितियों का गठन, परीक्षा वर्ष 2015 तक की उपाधियों एवं पदकों का निर्माण करवाकर उनकी जांच सम्बंधी कार्य जारी है। तद्नुसार दीक्षान्त समारोह में वर्ष 2015 तक की परीक्षाओं पीएच.डी. सहित कुल 55,740 उपाधियाँ तैयार करवाई गई है। इसी सम्बंध में माननीय सदन को यह अवगत करवाया गया कि दीक्षान्त समारोह हेतु ड्रेस कोड राजभवन द्वारा निर्धारित कर सभी राजकीय विश्वविद्यालयों को प्रेषित किया जा चुका है। उक्त ड्रेस कोड में प्रत्येक श्रेणी के लिए स्टॉल्स निर्धारित किया गया है जिसका रंग तथा साड़ी के बोर्डर का रंग विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित किये जाने की अनुशंषा की गई है। स्टॉल्स व साड़ी के बोर्डर के रंग निर्धारण हेतु विस्तार से चर्चा की गई। स्टॉल्स का रंग पीले से नारंगी के बीच तथा साड़ी के बोर्डर के लाल रंग को सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया। डिग्री/मेडल प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शुल्क लेकर बैज व स्टॉल्स देने का भी निर्णय किया गया।
मद संख्या–5	:	अन्य बिन्दु, आसन की अनुमति से।
निर्णय	:	1. विश्वविद्यालय में दिनांक 01.01.2004 एवं इसके बाद नवनियुक्त कर्मचारियों की सेवा में मृत्यु/निःशक्तता होने पर नवीन अंशदायी पेंशन योजना के तहत् अतिरिक्त राहत के रूप में अनंतिम कुटुम्ब पेंशन एवं ग्रेच्युटी की देयता के सम्बंधी प्रावधान लागू करने हेतु: – राज्य सरकार के परिपत्र सं0 प.12(8)वित्त/नियम/2008 जयपुर दिनांक 07.08.2015 के द्वारा राजकीय उपक्रमों/स्वशासी निकायों में दिनांक 01.01.2004 एवं इसके बाद नवनियुक्त कर्मचारियों की सेवा में मृत्यु/निःशक्तता होने पर नवीन अंशदायी पेंशन योजना के तहत् अतिरिक्त राहत के रूप में अनन्तिम कुटुम्ब पेंशन एवं ग्रेच्युटी की देयता के सम्बंधी प्रावधान सक्षम स्तर से अनुमोदन प्राप्त कर लागू किये जाने सम्बंधी निर्देश प्रदान किये गये हैं। राज्य सरकार के उक्त परिपत्र के क्रम में उपरोक्त उल्लेखित प्रावधान विश्वविद्यालय में लागू किये जाने सम्बंधी प्रस्ताव के अनुमोदन हेतु यह निर्णय लिया गया कि उक्त प्रावधानों को विश्वविद्यालय में लागू करते हुये तथा वित्त समिति की बैठक में रिपोर्टिंग आईटम रखते हुये आगामी प्रबन्ध–मण्डल की बैठक में सूचित किया जाये।

21/4/2017

		2. **विश्वविद्यालय में संविदा पर कार्यरत व्यक्तियों की संविदा अवधि में दिनांक 01.01.2017 से आगामी 06 माह के लिए अभिवृद्धि करने बाबत् :–** विश्वविद्यालय में कार्यरत 06 व्यक्तियों की संविदा अवधि में दिनांक 01.01.2017 से आगामी 06 माह के लिए पूर्ववत शर्तों पर अभिवृद्धि किये जाने सम्बंधी प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। 3. **विश्वविद्यालय में वित्त वर्ष 2017–18 के लिए शैक्षणिक व अशैक्षणिक संवर्ग के अतिरिक्त 242 नवीन पदों के सृजन तथा विश्वविद्यालय परिसर में स्नातक स्तरीय बहुसंकाय महाविद्यालय व विधि महाविद्यालय खोलनें की अनुमति बाबत् :–** विश्वविद्यालय में वर्ष 2017–18 के लिए नवीन शैक्षणिक व अशैक्षणिक पदों के सृजन के अन्तर्गत कुल 242 पदों (विश्वविद्यालय के लेखा संबंधी कार्यों के लिए वांछित 08 पद सहित) के प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया। साथ ही विश्वविद्यालय में सत्र 2017–18 से बहुसंकाय स्नातक स्तरीय महाविद्यालय तथा विधि महाविद्यालय खोले जाने के प्रस्तावों को भी सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। सत्र 2017–18 से प्रारम्भ बहुसंकाय स्नातक स्तरीय महाविद्यालय में प्रारम्भिक अवस्था में विज्ञान संकाय के लिए स्नातक पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये जाने के प्रस्तावों को भी पारित किया गया। 4. संयुक्त सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर द्वारा प्रेषित पत्र के अनुसार राजकीय विधि महाविद्यालय, कोटा की निरीक्षण रिपोर्ट तथा जारी सशर्त स्थायी सम्बद्धता पत्र का अनुमोदन कर बी.सी.आई., नई दिल्ली को प्रेषित किये जाने की अभिशंषा की गई।

अन्त में कुलपति महोदय ने सभी माननीय सदस्यों का बैठक में सक्रियता से भाग लेने के लिए आभार व्यक्त किया।

बैठक आसन को धन्यवाद के साथ पूर्ण हुई।

संदीप चौहान

(डॉ0 संदीप सिंह चौहान)
कुलसचिव एवं सदस्य सचिव